भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3023

दिनांक 06 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

.....

वैगई नदी घाटी के लिए भूजल मैपिंग

3023. श्री तमिलसेल्वन थंगा:

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केंद्र सरकार का वैगई नदी घाटी और इसके आसपास के क्षेत्रों के लिए एक व्यापक भूजल मैपिंग कार्य करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या केंद्र सरकार के पास सिंचाई, पेयजल और भूजल पुनर्भरण को शामिल करते हुए वैगई नदी घाटी के लिए कोई एकीकृत जल प्रबंधन योजना भी है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री

(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) से (ग): चूंकि जल राज्य का विषय है, सिंचाई, पेयजल आपूर्ति, भूजल पुनर्भरण और संरक्षण से संबंधित जल संसाधन परियोजनाओं की आयोजना, कार्यान्वयन और रख-रखाव मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है। केन्द्र सरकार जल संसाधन मूल्यांकन, सिंचाई दक्षता, पेयजल आपूर्ति, वाटरशेड विकास और भूजल पुनर्भरण से संबंधित तकनीकी मार्गदर्शन और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य सरकारों के प्रयासों में सहायता करती है।

मंत्रालय ने भूजल प्रबंधन और विनियमन (जीडब्ल्यूएमआर) योजना के अंतर्गत वर्ष 2012 में राष्ट्रीय जलभृत मानचित्रण और प्रबंधन (नैक्यूम) कार्यक्रम शुरू किया। नैक्यूम 1.0 के अंतर्गत, देश के लगभग 25.14 लाख वर्ग किलोमीटर के पूरे चिन्हित मानचित्रण योग्य क्षेत्र को शामिल करने वाले जलभृत मानचित्रण का काम पूरा हो चुका है। इसके बाद, वर्ष 2023 में नैक्यूम 2.0 लॉन्च किया गया, जिसके अंतर्गत भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस), उन्नत विश्लेषणात्मक तकनीकों, रिमोट सेंसिंग और सैटेलाइट डेटा का उपयोग करके वैज्ञानिक और क्षेत्र-विशिष्ट भूजल मानचित्र, जलभृत प्रबंधन योजनाएं और पुनर्भरण योजनाएं तैयार की जाती हैं। वैगई बेसिन के लिए नैक्यूम 1.0 के अंतर्गत जलभृत मानचित्रण पूरा कर लिया गया है, जिसमें मदुरै, थेनी, शिवगंगा, रामनाथपुरम और डिंडीगुल जिलों के कुछ हिस्सों में फैले लगभग 8,896 वर्ग किमी के कुल बेसिन क्षेत्र में से लगभग 6,662 वर्ग किमी के चिन्हित मानचित्रण योग्य क्षेत्र को शामिल किया गया है।

इसके अलावा, नैक्यूम के निष्कर्षों के आधार पर, केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड ने वैगई बेसिन के लिए एक जलभृत प्रबंधन योजना तैयार की है जिसमें घटता भूजल स्तर, अवशोषण संरचनाओं का स्थायित्व, कम उपज वाले जलभृतों और समुद्री जल अतिक्रमण से निपटने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया गया है। वैगई बेसिन में भूजल प्रबंधन कार्यकलापों को सुगम बनाने के लिए इस योजना को राज्य सरकार और कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ साझा किया गया है।

*****